

1. वर्कले भौतिकवादी है। — असत्य
2. कारण और कार्य परिभाषा में अन्तर होते हैं। — सत्य
3. लाइबनिज संकल्पवादी है। — असत्य
4. मिलिगम नेत्र सत्यता के प्रावहारिकतावाद/सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं। — सत्य
5. ईश्वरवाद के अनुसार ईश्वर विश्वव्यापी एवं विश्ववर्ती हैं। — सत्य
6. भौतिकवाद ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त है। — असत्य
7. डेकार्ट बुद्धिवाद के समर्थक हैं। — सत्य
8. डेकार्ट अनुभववाद के समर्थक हैं। — असत्य
9. कांटे समीक्षावाद के समर्थक हैं। — सत्य
10. हेगेल अनुभववादी नहीं हैं। — असत्य
11. पूर्व-स्थापित सामंजस्य के प्रवर्तक लाइबनिज हैं। — सत्य
12. स्पिनोजा समीक्षावाद के समर्थक हैं। — असत्य
13. सर्वेश्वरवाद मानता है कि सब कुछ ईश्वर है। — सत्य
14. वर्कले आत्मनिष्ठ प्रत्ययवादी हैं। — सत्य
15. लोक बुद्धिवाद के समर्थक हैं। — असत्य
16. संवादित सिद्धान्त सत्यता का सिद्धान्त नहीं है। — असत्य
17. भौतिकवाद के अनुसार मूलतत्त्व ज्ञान है। — असत्य
18. वर्कले मिश्रित प्रत्ययवादी हैं। — असत्य
19. समीक्षावाद बुद्धिवाद और अनुभववाद का समन्वय है। — सत्य
20. हेगेल के दर्शन को संदेहवाद माना जाता है। — सत्य
21. लोक का यह मानना है कि कोई भी प्रत्यय जन्मजात नहीं होते हैं। — सत्य
22. डियोल आत्मनिष्ठ प्रत्ययवादी हैं। — असत्य
23. केवलनिष्ठेश्वरवाद के अनुसार ईश्वर विश्ववर्ती हैं। — सत्य
24. अस्तुचार प्रकार के कारणों में विश्वास नहीं करते हैं। — असत्य
25. अनेकवाद के अनुसार मूलतत्त्व की संख्या अनेक है। — सत्य
26. प्लेटोवाद वह सिद्धान्त है जिसके अनुसार ज्ञान का विषय वास्तविकता पर निर्भर है। — असत्य
27. स्पिनोजा के अनुसार परमतत्त्व अज्ञेय और अनन्त दोनों हैं। — सत्य
28. जीवशास्त्रीय विकासवाद के प्रवर्तक डार्विन हैं। — सत्य